

## ● सुनो, पढ़ो और गाओ :

### ५. (ब) जीवन

-हस्तीमल 'हस्ती'

**जन्म :** ११ मार्च १९४६ अमेठ, राजसमंद (राजस्थान) **रचनाएँ :** क्या कहें किससे कहें, कुछ और तरह से भी आदि गजल संग्रह ।  
**परिचय :** हस्तीमल 'हस्ती' जी जाने माने गजलकार हैं । गजल के अतिरिक्त उन्होंने दोहे और गीत भी लिखे हैं ।  
प्रस्तुत रचना में गजलकार ने सभी के साथ स्नेहपूर्वक, हिल-मिलकर रहने की बात कही है ।

सबको गले लगाते चलना,  
स्नेह नगर से जब भी गुजरना ।

अनगिन बूंदों में कुछ को ही  
आता है फूलों पे ठहरना ।

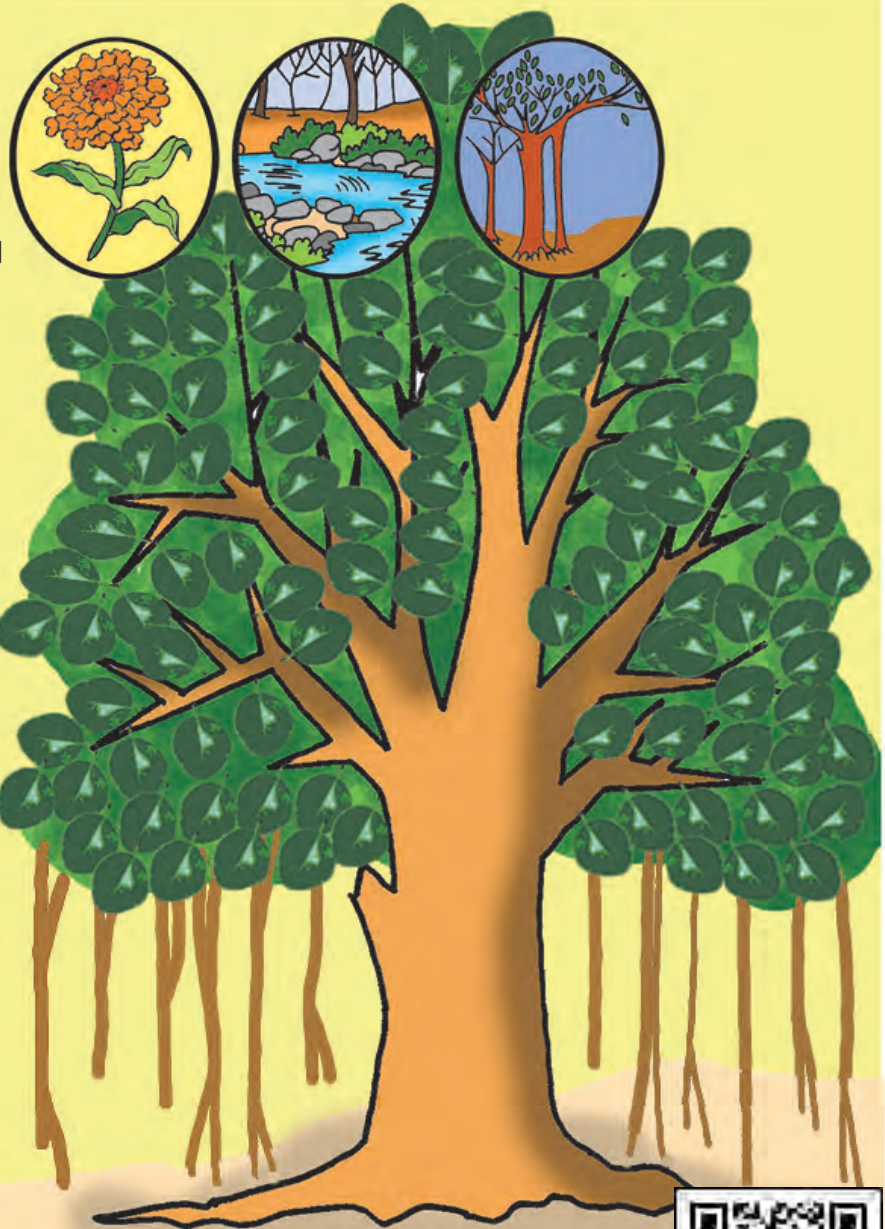
बरसों याद रखें ये लहरें  
सागर से यूँ पार उतरना ।

फूलों का अंदाज सिमटना,  
खुशबू का अंदाज बिखरना ॥

गिरना भी है बहना भी है  
जीवन भी है कैसा झरना

अपनी मंजिल ध्यान में रखकर  
दुनिया की राहों से गुजरना ।

पर्वत, मिट्टी, पेड़ ज्यों रहते  
जग में सबसे हिलमिल रहना ।



□ लय ताल, आरोह-अवरोह के साथ गजल गाएँ । विद्यार्थियों से समूह में गवाएँ । गजल से प्राप्त जीवनमूल्यों के संदर्भ में चर्चा करें, कराएँ । विद्यार्थी बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, पूछें । अधोरेखांकित शब्दों के अर्थ शब्दकोश की सहायता से ढूँढ़ने के लिए कहें ।